यशोदा मैया खोल कीवडिया लालो आयो गाय चराय

यशोदा मैया खोल किवड़िया,
लालो आयो गऊ चराय,

गऊ गोप ग्वालन गऊ संग , बंशी मधुर बजाय,
सुन गोपी जन मन हर्षित भई, चढ़ी अटारी जाय,
यशोदा मैया खोल किवड़िया--

यशोदा मैया करे आरती , फूली नाय समाय,
हँस -हँस लेत बलैयाँ मैया, बार बार बली जाय .
यशोदा मैया खोल किवड़िया---

खिडक खोल कर दीन्ही गईया , बछड़ा रहे चुखाय ,
कारी काजर, धोरी धूगर को रहयो दूध दुहाय
यशोदा मैया खोल किवड़िया--

दुध दुहाय कहे मनमोहन, माखन दे रही माय,
सदलोनी तो होए सवेरो लाला ,पीओ दूध अधाय
यशोदा मैया खोल किवड़िया-----

इतने में एक सखी साँवरी , टेरण पहुँची आय
गोविन्द मोको दूध ना देवे, गैया रही रम्भाय
यशोदा मैया खोल किवड़िया---

सखी साँवरी की मनमोहन ने , जाय दुहाई गाय
आधो दूध दोहन में डारो, आधो रह्यो चढ़ाय
यशोदा मैया खोल किवड़िया---

सखी साँवरी कहने लागी , मधुर-मधुर मुस्काय
सूर श्याम यशोदा के लाला , नित्य दुहावन जाय
यशोदा मैया खोल किवड़िया---

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15881/title/yashoda-maiya-khol-kivadiya-lalo-aayo-gaiya-charay

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |